कानपुर, सोमवार, 16 फरवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 45, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड रोहित शेट्टी के घर फायरिंग केस में बड़ा ब्रेकथ्रू...>Pg12

पत्नी-बेटे की हत्या कर रिटायर्ड फौजी ने दी जान...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

धमाकों के बाद फैक्ट्री बनी आग का गोला, आठ मजदूर जिंदा जले

फैक्ट्री के गत्ता गोदाम में 3-4 धमाके, सिलेंडर फटने की आशंका

- घटना खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में सुबह करीब 10 बजे
- फैक्ट्री से पहले धुआं, फिर 3-4 तेज धमाके
- सात मजदूरों की जिंदा जलकर मौत
- नौ लोगों के अंदर फंसे होने की सूचना
- गत्ते का भारी ज्वलनशील स्टॉक मौजूद
- आधा दर्जन से अधिक दमकल गाड़ियां मौके पर
- आसपास की फैक्ट्रियां खाली, बिजली सप्लाई बंद
- बंद बताई जा रही यूनिट में काम होने पर सवाल
- मजिस्ट्रियल जांच और सुरक्षा ऑडिट के आदेश

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

जयपुर/अलवर। अलवर जिले के खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार सुबह एक फैक्ट्री में हुए सिलसिलेवार धमाकों के बाद लगी भीषण आग ने आठ मजदूरों की जान ले ली। हादसे के समय यूनिट के भीतर काम चल रहा था और मजदूर अंदर मौजूद थे। धमाकों के बाद कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक अंदर फंसे आठ लोगों की जिंदा जलने से मौत की पुष्टि हुई है। घटना के समय फैक्ट्री

➪ कागजों में बंद फैक्ट्री के अंदर मजदूर कैसे मौजूद थे, जांच शुरू

के अंदर करीब 25 मजदूरों के मौजूद थे।

प्रशासन ने घटना को गंभीर मानते हुए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। शुरुआती पड़ताल में सामने आया है कि जिस यूनिट में आग लगी, वह कागजों में बंद बताई जा रही थी और वहां गत्ते का बड़ा स्टॉक रखा था। ऐसे में बंद फैक्ट्री में गतिविधि कैसे चल रही थी, इसे लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

सुबह करीब 10 बजे स्थानीय लोगों और आसपास की इकाइयों के कर्मचारियों ने फैक्ट्री परिसर से घना धुआं उठता देखा। देखते ही देखते अंदर से 3-4 जोरदार धमाके हुए, जिनकी आवाज दूर तक सुनाई दी। धमाकों के बाद आग तेजी से भड़क उठी। गत्ता और पैकिंग सामग्री जैसे ज्वलनशील स्टॉक के कारण लपटें तेजी से फैलीं और पूरी यूनिट आग की चपेट में आ गई। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता को देखते हुए आसपास की फैक्ट्रियों को तुरंत खाली कराया गया और एहतियातन बिजली सप्लाई काट दी गई, ताकि आग फैलने का खतरा कम हो।

घटना स्थल पर दमकल की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां लगाई गईं। दमकलकर्मियों को अंदर प्रवेश करने में काफी दिक्कत आई क्योंकि अंदर धुआं और तापमान बेहद अधिक था। कूलिंग ऑपरेशन लंबे समय तक चलता रहा। अधिकारियों के अनुसार फैक्ट्री के भीतर कुल नौ लोग फंसे होने की सूचना थी। रेस्क्यू टीमों ने अंदर से आठ शव बरामद किए। अन्य लोगों की तलाश और मलबा हटाने का काम देर तक जारी रहा। घायलों की पुष्टि और पहचान की प्रक्रिया प्रशासन की निगरानी में कराई जा रही है।

प्राथमिक जांच में अंदर गैस सिलेंडर या केमिकल कंटेनर रखे होने की आशंका सामने आई है। धमाके सिलेंडर फटने से जुड़े हो सकते हैं। इसके अलावा यूनिट लंबे समय से बंद है, फिर भी श्रमिक मौजूद, अग्निशमन सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता संदिग्ध है। इमरजेंसी निकास की व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि फोरेंसिक और तकनीकी टीमों को बुलाया गया है, जो विस्फोट और आग के वास्तविक कारणों की जांच करेंगी।

सपा नेता की कार पर गिरा 65 फीट ऊंचा हाईमास्ट पोल, मौके पर मौत

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

प्रतापगढ़ । अंतू थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में समाजवादी पार्टी के नेता लाल बहादुर यादव की मौके पर ही मौत हो गई। अमेठी-प्रतापगढ़ हाईवे पर बाबूगंज बाजार स्थित पेट्रोल पंप पर हाईमास्ट लाइट का करीब 65 फीट ऊंचा पोल खड़ा किया जा रहा था। इसी दौरान पोल अनियंत्रित होकर सड़क से गुजर रही उनकी क्रेटा कार पर गिर पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पोल को खड़ा करने के दौरान क्रेन का पट्टा अचानक टूट गया। करीब 40 क्विंटल वजनी पोल सीधे नीचे आ गिरा और उसी समय वहां से गुजर रही कार उसकी चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह पिचक गई और चालक सीट पर बैठे लाल बहादुर यादव उसमें दब गए।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद कार का दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने

➪ क्रेन का पट्टा टूटा, पेट्रोल पंप पर चल रहा था पोल लगाने का काम, सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

सुरक्षा मानकों पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों का आरोप है कि व्यस्त सड़क और आबादी वाले इलाके में भारी पोल लगाने का काम बिना पर्याप्त बैरिकेडिंग और ट्रैफिक डायवर्जन के किया जा रहा था। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन होता तो हादसा टल सकता था। पुलिस ने संबंधित ठेकेदार और क्रेन संचालक की भूमिका की जांच शुरू कर दी है। तकनीकी टीम से भी रिपोर्ट मांगी गई है।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया कि लाल बहादुर यादव बाबूगंज बाजार के निवासी थे। वे पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता के साथ-साथ पीडब्ल्यूडी में ठेकेदारी का काम भी करते थे। वे दो बार ग्राम पंचायत का चुनाव भी लड़ चुके थे और क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती थी।

खबरः एक नजर में

- बाबूगंज बाजार स्थित पेट्रोल पंप पर हो रहा था हाईमास्ट पोल इंस्टॉलेशन
- क्रेन का पट्टा टूटने से 65 फीट ऊंचा पोल कार पर गिरा
- कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त, चालक सपा नेता की मौके पर मौत
- सुरक्षा इंतजाम और कार्यदायी संस्था की लापरवाही जांच के घेरे में

फर्जी ट्रस्ट पट्टे से जमीन कब्जाने का खेल छह वकीलों समेत आठ पर मुकदमा

» हिन्दू धार्मिक ट्रस्ट के नाम पर कूटरचित दस्तावेज से प्लॉट कब्जाने का आरोप

» मुख्यमंत्री को शिकायत के बाद हरकत में आई पुलिस, दस्तावेजों की जांच शुरू

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।कानपुर के रावतपुर क्षेत्र स्थित विनायकपुर में हिन्दू धार्मिक ट्रस्ट के नाम पर फर्जी पट्टे के जरिए जमीन कब्जाने के आरोप में छह अधिवक्ताओं समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित डॉ. मेराज जाफरी, जो छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में सहायक प्रवक्ता हैं, ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर अवैध कब्जा हटाने की मांग की थी। शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2014 में आराजी संख्या 806 में 141-141 गज के दो प्लॉट उनके दिवंगत पिता और माता के नाम रजिस्टर्ड हुए थे और दाखिल-खारिज भी हो चुका था। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले लोगों ने दीवार तोड़कर श्री रामलला ट्रस्ट के नाम से दूसरी आराजी संख्या दिखाते हुए उर्दू में कूटरचित पट्टा तैयार कर प्लॉट पर कब्जा कर लिया और निर्माण शुरू करा दिया।पीड़ित के अनुसार विरोध करने पर आरोपित मारपीट पर उतारू हो गए। मामला कोर्ट तक पहुंचा, जहां स्थगनादेश भी मिला, लेकिन बाद में कथित फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आदेश हटवा लिया गया। पिता के निधन के बाद फिर निर्माण शुरू कर दिया गया।

मुख्यमंत्री पोर्टल और जनता दरबार में शिकायत के बाद अब पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। थाना पुलिस के मुताबिक नामजद आरोपितों में कई अधिवक्ता शामिल हैं और सभी दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

महाशिवरात्रि पर टीम इंडिया की जीत, शहर में दीपावली जैसा जश्न

सुबह जलाभिषेक, रात जीत क्रिकेट प्रेमियों की मुराद हुई पूरी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। महाशिवरात्रि के दिन खेले गए बड़े मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के साथ क्रिकेट प्रेमियों की मुराद पूरी हो गई। सुबह से ही श्रद्धालुओं और खेल प्रेमियों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर टीम इंडिया की जीत की कामना की थी। देर रात कोलंबो में जीत की खबर मिलते ही शहरभर में जश्न का माहौल बन गया।

ग्वालटोली, लालबंगला, गुमटी, काकादेव, कल्याणपुर, पनकी, बर्रा, सर्वोदय नगर और स्वरूप नगर समेत कई इलाकों में लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। फागुन के महीने में सड़कों और मोहल्लों में दीपावली जैसा नजारा दिखा। युवाओं और बच्चों ने ढोल-नगाड़ों और पटाखों के साथ जीत का उत्सव मनाया।क्रिकेट प्रेमियों ने कई स्थानों पर तिरंगा यात्रा भी निकाली। भारत माता की जय और इंडिया-इंडिया के नारों से पूरा माहौल उत्साह से भर गया। रोवर्स मैदान और भारतीय टीम के खिलाड़ी कुलदीप यादव के घर के पास भी समर्थकों ने जोरदार आतिशबाजी कर खुशी जताई।

अभियान चलाकर गुम व चोरी हुए 101 मोबाइल किए बरामद

» पुलिस उपायुक्त पूर्वी कार्यालय से मालिकों को किए गए सुपुर्द

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सीआर पोर्टल और यूपी कॉप ऐप के माध्यम से दर्ज गुमशुदगी और चोरी की शिकायतों के आधार पर साइबर व पुलिस टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर 101 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित बाजार कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई गई है। सभी मोबाइल आज पुलिस उपायुक्त पूर्वी कार्यालय में उनके वास्तविक मालिकों को विधिवत सुपुर्द किए गए।

पुलिस के अनुसार नागरिकों द्वारा ऑनलाइन दर्ज शिकायतों का सत्यापन कर तकनीकी सर्विलांस और फील्ड जांच के जरिए मोबाइलों की लोकेशन ट्रेस की गई। इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए मोबाइल बरामद किए गए। बरामदगी के बाद संबंधित स्वामियों से संपर्क कर उन्हें कार्यालय बुलाया गया और पहचान सुनिश्चित करने के बाद मोबाइल लौटाए गए।

मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने खुशी जताई और पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की। एक महिला लाभार्थी मिठाई लेकर पहुंचीं और मौजूद पुलिसकर्मियों व अन्य लोगों में वितरित की। पुलिस उपायुक्त पूर्वी कमिश्नरेट सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि कई मामलों में मोबाइल गुम हुए थे, जबकि कुछ मामलों में चोरी की घटनाएं सामने आईं। चोरी के मोबाइल अक्सर कई हाथों से होते हुए आगे बेचे जाते हैं। बरामदगी के समय जिन लोगों के पास मोबाइल मिले, उनमें से कुछ ने अनजाने में कम कीमत पर खरीदने की बात कही है। उन्होंने कहा कि चोरी से जुड़े मामलों की जांच जारी है और जो भी व्यक्ति संलिप्त पाया जाएगा, उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम या चोरी होने पर तुरंत सीआर पोर्टल या यूपी कॉप ऐप पर शिकायत दर्ज कराएं।

पत्नी-बेटे को गोली मार कर हत्या के बाद रिटायर्ड फौजी ने ट्रेन से कटकर दी जान

पुलिस-फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी, पारिवारिक विवाद समेत कई एंगल खंगाले जा रहे

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के तुलसियापुर गांव में सोमवार सुबह दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। एक सेवानिवृत्त फौजी ने घर के अंदर अपनी पत्नी सुनीता और 16 वर्षीय बेटे दीप को गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने घर के मुख्य गेट पर बाहर से ताला लगाया और वहां से निकल गया। बाद में करीब तीन किलोमीटर दूर रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

- **घर में ताला लगाकर निकला आरोपी, तीन किलोमीटर दूर रेलवे ट्रैक पर मिला शव**

जानकारी के अनुसार आरोपी घर से निकलकर कठोंगर गांव के पास भाऊ रेलवे पटरी पर पहुंचा, जहां उसने ट्रेन के सामने

छलांग लगा दी। ट्रेन से कटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की सूचना पर पुलिस शिनाख्त के लिए उसके घर पहुंची तो अंदर पत्नी और बेटे के शव पड़े मिले। इससे दोहरे हत्याकांड के बाद आत्महत्या का मामला उजागर हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घटना के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पारिवारिक विवाद समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर गहन जांच की जा रही है।

प्रदीप कुमार सिंह. थाना प्रभारी, सेन पश्चिम पारा

20 करोड़ की 20 बीघा जमीन पर केडीए का हक

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । 70 साल बाद करीब 20 करोड की देहली सुजानपुर की 20 बीघा जमीन केडीए के पास ही रहेगी। एडीएम वित्त कोर्ट ने सालों पुराने मामले पर फैसला दिया है। इसमें उन्होंने देहली सुजानपुर की जमीन पर केडीए का हक माना है।

एडीएम वित्त डॉक्टर विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि यह केस 70 साल पुराना है। देहली सुजानपुर के करीब 20 बीघा की जमीन पर फैसला है। विशाल भारत को ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के प्रस्तुत अमल दरामद के प्रार्थनापत्र के उल्लेखित तथ्यों को खारिज कर दिया है।

70 साल पुराना विवाद खत्म, एडीएम वित्त ने खारिज किया अमल दरामद के प्रार्थनापत्र

क्या है मामला

70 साल पहले 1956 में देहली सुजानपुर में कई पट्टे किए गए थे। इन पट्टों में कुछ को 1982 में तत्कालीन एडीएम वित्त ने निरस्त कर दिए। इसको लेकर विपक्ष के लोगों ने पहले मंडलायुक्त कोर्ट और राजस्व बोर्ड में अपील की। राजस्व बोर्ड ने 1992 में इस पूरे प्रकरण को तत्कालीन डीएम को सुनवाई को भेजा। इस सुनवाई में 2006 में तत्कालीन डीएम की कोर्ट ने केडीए का नाम खारिज करते हुए इसका मालिकाना हक विशाल भारत को ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी का माना। इस आदेश के खिलाफ केडीए ने मंडलायुक्त कोर्ट में अपील की। मंडलायुक्त ने इसकी सुनावई करते हुए डीएम कोर्ट के आर्डर को निरस्त कर दिया। इस आदेश के खिलाफ वादी ने राजस्व बोर्ड में अपील की। अपील की सुनवाई करते हुए बोर्ड ने 2015 में डीएम के आदेश को बहाल कर मंडलायुक्त के आदेश को निरस्त कर फैसला सोसायटी के पक्ष में दिया। सोसायटी ने केस जीत खतौनी में नाम दर्ज कराने को लेकर यह याचिका एडीएम कोर्ट में लगाई, जिसमें जिक्र किया गया कि इसमें केडीए का नाम हटाकर सोसायटी का नमा चढाया जाए। वहीं बोर्ड के आदेश के खिलाफ केडीए ने हाईकोर्ट में अपील कर दी। 2022 में हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि इस पूरे प्रकरण को एडीएम वित्त की कोर्ट में सनुवाई हो। बीते रोज एडीएम वित्त डॉक्टर विवेक चतुर्वेदी कोर्ट ने इस पूरे केस पर फैसला देते हुए जमीन का मालिकाना हक केडीए को माना है। विशाल भारत को ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के प्रस्तुत अमल दरामद के प्रार्थनापत्र को खारिज कर दिया है।

सर्राफा कारोबारियों का डेढ़ करोड़ का सोना लेकर भागा कारीगर गिरफ्तार

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। बिरहाना रोड क्षेत्र के दो सराफा कारोबारियों का करीब डेढ़ करोड़ रुपये कीमत का सोना लेकर फरार हुए कारीगर को फीलखाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले दो साल से फरार चल रहा था और उस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने उसे पश्चिम बंगाल से पकड़कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान मानस हेत के रूप में हुई है, जो सराफा कारोबारियों के यहां कारीगरी का काम करता था। वर्ष 2024 में उसने काम के दौरान करीब 1.8 किलो सोना लेकर फरार हो गया था। इस मामले में पीड़ित कारोबारियों की तहरीर पर फीलखाना थाने में धोखाधड़ी और गबन की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ने कथित तौर पर आईपीएल सट्टेबाजी में हुए नुकसान की भरपाई के लिए यह कदम उठाया था। घटना के बाद से वह लगातार ठिकाने बदल रहा था। पुलिस की सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से उसकी लोकेशन ट्रेस कर पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। सोने की बरामदगी और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

- **फीलखाना पुलिस ने आरोपी को पश्चिम बंगाल से दबोचा**
- दो सराफा कारोबारियों का सोना लेकर फरार कारीगर गिरफ्तार
- आरोपी मानस हेत पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था
- 2024 में बिरहाना रोड से 1.8 किलो सोना लेकर भागा था
- सोने की अनुमानित कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपए बताई गई
- आईपीएल सट्टेबाजी में नुकसान के बाद वारदात करने की बात सामने आई

जमीन कब्जे पर नहीं हुई सुनवाई, दुखी होकर खुद को आग लगाई

प्रमुख संवाददाता

कानपुर। सोमवार सुबह करीब 10 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में उस समय अफरातफरी मच गई जब दो व्यक्तियों ने अपने ऊपर डीजल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों को पकड़ लिया और उनके हाथ से डीजल की बोतल छीन ली। समय रहते हस्तक्षेप होने से बड़ा हादसा टल गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। पूछताछ में उनकी पहचान पदम सिंह और मोती सिंह के रूप में हुई है। दोनों नौबस्ता स्थित आवास विकास क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं और मूल रूप से कानपुर देहात के मैथा क्षेत्र से जुड़े हैं।

- **कलेक्ट्रेट परिसर में आत्मदाह का प्रयास, सुरक्षा कर्मियों की सतर्कता से टला हादसा**

प्राथमिक पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि नौबस्ता आवास विकास इलाके में उनकी जमीन पर कुछ लोगों द्वारा कथित कब्जा कर लिया गया है। इस संबंध में उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की और मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन समाधान नहीं हुआ। आरोप है कि कार्रवाई न होने से क्षुब्ध होकर उन्होंने आत्मदाह का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार दोनों व्यक्तियों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है और जमीन विवाद से जुड़े दस्तावेज व शिकायतों की जांच कराई जा रही है। स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

घाटमपुर में भू-माफियाओं से मुक्त हुई ग्राम सभा की करोड़ों की जमीन

घाटमपुर एसडीएम बोले -कब्जा करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर. घाटमपुर में तहसील प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम जहांगीराबाद की करोड़ों रुपये मूल्य की ग्राम सभा भूमि को भूमाफियाओं से मुक्त करा लिया। ऑपरेशन ब्लैक शीप्स एंड शार्क्स हंट के तहत की गई इस कार्रवाई में कुल 09 गाटों की लगभग 1.805 हेक्टेयर (करीब 02 हेक्टेयर) हाईवे से सटी बेशकीमती जमीन को पुनः ग्राम सभा की श्रेणी में दर्ज कर संरक्षित किया गया है। इन भूमियों की अनुमानित बाजार कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

एसडीएम अबिचल प्रताप सिंह ने कहा कि ग्राम सभा अथवा अन्य शासकीय संपत्ति को अवैध और अनधिकृत तरीके से छल एवं फर्जीवाड़ा कर प्राप्त करने का मामला संज्ञान में आया था। तहसील प्रशासन ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए भूमि को संरक्षित कर दिया है। माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा।

शिकायत पर गठित हुई जांच टीम

सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत प्राप्त होने के बाद एसडीएम घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी तहसीलदार घाटमपुर अंकिता पाठक की अध्यक्षता में जांच टीम गठित की।

त्वरित और विधिवत जांच में पाया गया कि ग्राम सभा की भूमि में निजी खातेदारों के रूप में फर्जी प्रविष्टियां कराई गई थीं। जांच के उपरांत इन छल साधित प्रविष्टियों को निरस्त कर दिया गया और खतौनी में भूमि को पुनः ग्राम सभा के नाम दर्ज कर लिया गया।

प्रभारी तहसीलदार घाटमपुर अंकिता पाठक ने कहा कि ग्रामसभा की भूमि को किसी भी व्यक्ति को अनधिकृत व अवैध ढंग से प्राप्त करने का अधिकार नहीं है।जहांगीराबाद की भूमि को लैंड बैंक में शामिल करके शासन के निर्देशानुसार लोकोपयोगी कार्यों हेतु दी जाएगी।।

बोर्ड लगाकर किया गया संरक्षण, फेंसिंग भी जारी

कार्रवाई के अगले चरण में प्रशासन ने संबंधित गाटों पर बोर्ड लगाकर जमीन को संरक्षित कर लिया है। साथ ही फेंसिंग की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है, ताकि भविष्य में दोबारा अवैध कब्जे या फर्जीवाड़े की आशंका न रहे।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ग्राम सभा की अन्य भूमियों के संबंध में भी जांच जारी है।

अवैध कब्जे को लेकर एससी कमीशन की चौखट पर लगाई गुहार

» अनुसूचित जाति की भूमि पर भूमाफिया कर रहा कब्जा

» पीड़ित पहुंचा एससी आयोग के पास, आयोग सदस्य ने दिया कर्रवाई का आश्वासन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर नगर के ग्राम पिपौरी में अनुसूचित जाति की भूमि पर कथित अवैध कब्जा एवं निर्माण के मामले में अब प्रकरण राज्य स्तर तक पहुंच गया है।

रविवार को पीड़ित नंदराम पुत्र स्व. सूबेदार ने उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे से मुलाकात कर उन्हें पूरे मामले का लिखित रूप में ज्ञापन सहित सौंपा।

पीड़ित ने आयोग सदस्य को अवगत कराया कि उसकी पुस्तैनी कृषि भूमि पर अवैध कब्जा कर भूमाफियाओं द्वारा निर्माण कराया जा रहा है।ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए आयोग सदस्य रमेश चंद्र कुंडे ने निष्पक्ष जांच कराने तथा पीड़ित को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति की भूमि से संबंधित मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है और दोषियों के विरुद्ध कडी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस मौके पर समाजसेवी पंडित जितेंद्र बाल्मीकि तथा पीड़ित के अधिवक्ता अखिलेश सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने आयोग सदस्य को बताया कि स्थानीय स्तर पर शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जिससे पीड़ित परिवार भय और मानसिक तनाव में है।मामले को लेकर अब प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं कि जब एक ओर अवैध निर्माण को रोका गया था, तो बाद में किस आदेश से पुनः निर्माण प्रारंभ कराया गया। आयोग में शिकायत दर्ज होने के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाती है और पीड़ित को उसकी भूमि पर पुनः अधिकार कैसे दिलाया जाता है।

यह प्रकरण केवल भूमि विवाद नहीं, बल्कि अनुसूचित जाति के संवैधानिक अधिकारों और प्रशासनिक निष्पक्षता से जुड़ा गंभीर विषय बनता जा रहा है।

चित्रा पब्लिक स्कूल में धूमधाम से निकाली गई शिव बारात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर चित्रा पब्लिक स्कूल नौबस्ता में विद्यार्थियों द्वारा भव्य शिव बारात का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर पूर्णतः भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया और चारों ओर 'हर-हर महादेव' के जयघोष गूंजते रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना से हुआ।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने भगवान शिव, माता पार्वती, श्रीगणेश, नंदी तथा शिवगणों का रूप धारण कर आकर्षक झांकी प्रस्तुत की। पारंपरिक वेशभूषा में सजे नन्हे-मुन्ने बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय से प्रारंभ हुई शिव बारात आसपास के क्षेत्र में निकाली गई, जहां स्थानीय नागरिकों ने भी श्रद्धा और उत्साह के साथ स्वागत किया। पूरा वातावरण धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक चेतना और उल्लास से सराबोर रहा।

विद्यालय प्रशासन के अनुसार इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और

धार्मिक मूल्यों से जोड़ना, साथ ही उनमें आत्मविश्वास, सहयोग और टीम भावना का विकास करना है। इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुरेश कुमार तथा प्रधानाचार्या संजीत मिश्रा एवं सरिता गुलाटी ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया तथा सभी को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सम्पादकीय

कॉलेज का कलेजा

दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज का नाम बदलने की कोशिशें उन्नीसवीं सदी के एक दूरदर्शी और परोपकारी सरदार दयाल सिंह मजीठिया जी की स्मृति और विरासत की घोर अवहेलना को ही दर्शाती हैं। यह कॉलेज उन्हीं के नाम पर दिल्ली में स्थापित और प्रतिष्ठित है। 'द ट्रिब्यून' और 'पंजाब नेशनल बैंक' के संस्थापक रहे सरदार दयाल सिंह मजीठिया ने एक ऐसे धर्मनिरपेक्ष व समावेशी कॉलेज की स्थापना का स्वप्न साकार करना चाहा, जहां जनहित में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सके।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली स्थित इस संस्थान का समृद्ध इतिहास 1910 से तब शुरू होता है, जब मजीठिया जी के निधन के बारह वर्ष बाद लाहौर में इसकी स्थापना हुई थी। लेकिन आज कॉलेज प्रबंधन की ओर से दलील दी जा रही है कि एक ही नाम से डे कॉलेज और इवनिंग कॉलेज संचालित नहीं किए जा सकते हैं। यह कहना तार्किक नहीं लगता कि नाम बदलने से प्रशासनिक कार्यों में किसी भी तरह की सुविधाजनक स्थिति भी बन सकती है। वहीं दूसरी ओर, यह कॉलेज के कलेजे रूपी गरिमामय विरासत और जनभावनाओं को नजरअंदाज करने जैसा है। यहां यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि इस बदलाव की कोशिशों के कानून पहलू भी ऐसा करने की इजाजत नहीं देते। दरअसल, वर्ष 1978 में हस्तांतरण डीड की धारा 12, जिसके तहत ही दिल्ली विश्वविद्यालय यानी डीयू ने कॉलेज का अधिग्रहण किया था, में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि 'संस्थान दयाल सिंह कालेज के नाम से ही जाना जाता रहेगा।'

इस धारा का उल्लंघन करने की स्थिति में भूमि अधिकार छीनने और जबरन विस्थापन जैसी गंभीर कार्रवाई भी की जा सकती है। निश्चित रूप से इस तरह का जोखिम कोई भी जिम्मेदार प्रशासन हल्के में नहीं लेना चाहेगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि संकाय सदस्यों को सिख योद्धा बंदा सिंह बहादुर के नाम पर कॉलेज का नाम बदलने के प्रस्ताव की जानकारी तब मिली जब पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति ने वीर बाल दिवस के मौके पर इसकी सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी।यहां उल्लेखनीय है कि दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज एक कालखंड की गरिमामय स्मृतियों को सहेजे हुए है। भारत मां के महान सपूत सरदार दयाल सिंह मजीठिया ने अपने सारी संपत्ति समाज के लिये समर्पित कर दी थी। उन्होंने अपना जीवन एक स्वतंत्र प्रेस, उत्तर भारत में शिक्षा के प्रसार के लिये एक उच्चस्तरीय कॉलेज तथा जागरूकता के लिये पुस्तकालय की स्थापना के लिये लगाया। जिसका मकसद समाज में प्रगतिशील सोच विकसित करना और अज्ञानता को समाप्त करना ही था। ऐसे में एक पुनीत उद्देश्य के लिये स्थापित कॉलेज का नाम बदलने का प्रबंधनतंत्र द्वारा इस तरह का एकतरफा निर्णय विश्वविद्यालय के मूल सिद्धांत को ही कमजोर करता है।

जिसका मूल उद्देश्य परामर्श और आम सहमति से कार्य करना होता है। इन कोशिशों के बीच कॉलेज के शिक्षकों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों ने ऐसे किसी प्रयास का विरोध करने का फैसला किया है। कर्मचारी संघ द्वारा पारित प्रस्ताव में कॉलेज की पहचान और भविष्य को प्रभावित करने वाले इस कदम को लेकर असंतोष जताया गया है। छात्रों में भी इस बात को लेकर रोष देखा गया है।

इसमें दो राय नहीं कि कोई भी शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञान का केंद्र ही नहीं होता, बल्कि सामूहिक स्मृति का संरक्षक भी होता है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में भी महाविद्यालय का नाम बदलकर 'वंदे मातरम? महाविद्यालय ' रखने का प्रयास किया गया था। लेकिन यह प्रयास हितधारकों के विरोध के चलते सिरे नहीं चढ़ सका था। अब बदलाव की कोशिश करने वालों को पिछले असफल प्रयास को एक सबक के रूप में देखना चाहिए था।

दिल्ली विश्वविद्यालय को ऐसे किसी प्रयास से पहले विचार विमर्श करने तथा चिंतन करने की आवश्यकता है। खासकर, ऐसे वक्त में जब एक महान व्यक्तित्व का नाम और साथ ही एक सदी से अधिक की शैक्षणिक और नैतिक विरासत दांव पर लगी हो।

शिव, काम और रति-जीवन-संतुलन का त्रिकोण

यशवंत सचदेव

'शिव' महादेव हैं और काम रूप-सौन्दर्य का देवता । दोनों एक ही कुल अर्थात देव-समूह के हैं किन्तु लोकजीवन में दोनों के प्रतीकार्थ भिन्न हैं। शिव कल्याण के प्रतीक हैं और कामदेव कामनाओं के, मनुष्य की विविध प्रकार की अभिलाषाओं के प्रतीक हैं । शिव अर्थात कल्याण का स्वरूप स्थिर है। वह परिवर्तित नहीं होता।पौराणिक आख्यानों के अनुसार सौन्दर्य के देवता कामदेव ने भगवान शिव की तपस्या में विघ्न उत्पन्न किया और भगवान शिव ने उसे अपने तृतीय नेत्र की क्रोधाग्नि से भस्म कर दिया किन्तु जब काम की पत्नी रति ने शिव से प्रार्थना की और अपने पति को पुनः जीवित करने का वरदान माँगा तब शिव ने काम को देह रहित रूप में संसार को प्रभावित करने की शक्ति देकर उसे पुनर्जीवित कर दिया तथा वह मानसिक स्तर पर सक्रिय होकर संसार को संचालित करने लगा।

उसके नए नाम मनसिज, मनोज, अनंग आदि प्रचलित हो गए।'शिव' महादेव हैं और काम रूप–सौन्दर्य का देवता । दोनों एक ही कुल अर्थात देव–समूह के हैं किन्तु लोकजीवन में दोनों के प्रतीकार्थ भिन्न हैं। शिव कल्याण के प्रतीक हैं और कामदेव कामनाओं के, मनुष्य की विविध प्रकार की अभिलाषाओं के प्रतीक हैं । शिव अर्थात कल्याण का स्वरूप स्थिर है। वह परिवर्तित नहीं होता। वह शाश्वत है, सनातन है। इसीलिए शिव उच्च स्तर पर प्रतिष्ठित महादेव हैं और अधिक शक्ति सम्मात्र है। कामदेव का स्वरूप वैविध्यपूर्ण है।ँ ।शिव द्वारा काम–दहन की कथा कल्याण के पथ पर कामनाओं के नियंत्रण का संदेश है। अच्छी–बुरी अनंत कामनाओं को साथ लेकर मनुष्य अपना कल्याण नहीं कर सकता, साथ ही वह समस्त कामनाओं को त्यागकर भी जीवित नहीं रह सकता। जीवन मैं सुख शांति और आनंद की प्राप्ति के लिए अच्छी कामनाओं का होना भी आवश्यक है। कामनाएं ही मनुष्य को कर्मपथ पर प्रेरित करती हैं। इसीलिए शिव एक बार काम को पूर्णतया समाप्त करके उसे पुन: जीवन देते हैं। अभिप्राय यह कि मानव–मन में निहित समस्त दुरभिलाषाओं को समाप्त कर संसार के कल्याण के लिए आवश्यक अभिलाषाओं को पुन: प्रोत्साहित करना मानव जीवन की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है।कामदेव सौन्दर्य के देवता हैं। सौन्दर्य सदा आकर्षित करता है तथा मन में इच्छाओं को जन्म देता है। वे इच्छाएँ जब मानवीय गरिमा, सामाजिक मर्यादा और न्यायसंगत होती हैं तब शिव की कल्याणरुपिणी शक्ति बनती हैं किन्तु जब मानव मूल्यों के विरुद्ध निजी दुरभिलाषाओं और स्वार्थों के लिए सक्रिय होती हैं तब उनका नाश करना अथवा संयम के बल पर उन्हें नियन्त्रित करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। काम के इस अशिव रूप का नाश किए बिना शिव अर्थात कल्याण प्राप्ति की साधना पूर्ण नहीं हो सकती।कामदेव को भस्म करने वाला शिव का तृतीय नेत्र ज्ञान और वैराग्य का प्रतीक है। जब तक तीसरा नेत्र नहीं खुलता तब तक कामनाएँ भस्म नहीं होतीं।

ज्ञान और वैराग्य का तीसरा नेत्र जब खुलता है तब मनुष्य के मन में संयम, संतोष, त्याग, परोपकार, अपरिग्रह जैसे मूल्य पुष्ट होते हैं और लोभ, मोह, अभिमान, स्वार्थपरता, हिंसा, व्यभिचार जैसी दुर्वृत्तियां समाप्त हो जाती हैं और कल्याण की प्राप्ति होती है। कामदेव का देहनाश 'जर–जोरू और जमीन' के लिए होने वाले संघर्ष को विराम देने का अर्थ व्यक्त करता है क्योंकि काम के इस भौतिक स्वरूप का नाश हुए बिना शिव की तपस्या अर्थात कल्याण की प्राप्ति असंभव है ।काम के अनेक अर्थ हैं। काम को स्त्री–पुरुष के शारीरिक संबंध के अतिरिक्त धन, पद, यश, सम्मान आदि कामनाओं के अर्थ में भी ग्रहण किया जाता है। काम का स्वरूप अत्यंत सुन्दर है अर्थात इन समस्त कामनाओं की पूर्ति के लिए मनुष्य यदि दूसरों के अधिकारों का अपहरण, शोषण–उत्पीड़न न करे, माननीय गरिमा और सामाजिक मर्यादाओं के अनुरुप कार्य करे तो इनकी सकारात्मक सक्रियता जीवन में सौदर्य का विधान रचती है ।

सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन नियम 2026 क्या है?

डिजिटल युग

लेखनी

डिजिटल युग में तेजी से उभरती तकनीकों विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक ने जहां अभूतपूर्व अवसर प्रदान किए हैं, वहीं नई कानूनी और नैतिक चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। ऐसे परिदृश्य में भारत सरकार ने डिजिटल प्लेटफॉर्म की जवाबदेही और नागरिकों की ऑनलाइन सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं। यह कदम न केवल तकनीकी विकास के साथ तालमेल बैठाने का प्रयास है, बल्कि एक सुरक्षित, पारदर्शी और उत्तरदायी डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस पहल भी है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अंतर्गत वर्ष 2021 में अधिसूचित नियमों में संशोधन करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) संशोधन नियम, 2026 को अधिसूचित किया है।

20 फरवरी, 2026 से प्रभावी यह नया ढाँचा कृत्रिम (सिंथेटिक) मीडिया तथा आपत्तिजनक सामग्री/कंटेंट हटाने से संबंधित मानकों को अधिक सख्त बनाता है। अब सोशल मीडिया मंचों को किसी न्यायालय अथवा 'समुचित सरकार' द्वारा अवैध घोषित की गई सामग्री को 3 घंटे के भीतर हटाना अनिवार्य होगा, जबकि पूर्व में यह समय-सीमा 24 से 36 घंटे के बीच थी।संवेदनशील सामग्री, विशेषकर बिना सहमति के प्रकाशित अश्लील/ आपत्तिजनक चित्र/ वीडियो तथा डीपफेक सामग्री, को शिकायत प्राप्त होने के 2 घंटे के भीतर हटाना अनिवार्य किया गया है।नियमों के अनुसार,

सिंथेटिक सामग्री से आशय ऐसी ऑडियो-विजुअल सूचना से है, जिसे एल्गोरिद्मिक प्रक्रियाओं के माध्यम से निर्मित अथवा परिवर्तित किया गया हो और जो ÷किसी सामान्य व्यक्ति या वास्तविक घटना से अभेद्य प्रतीत÷ होती हो।एक

(निखिलेश मिश्रा
पूर्व सूचना प्रौद्योगिकी अधिकारी)

विशेष छूट उन छोटे सुधारों के लिये प्रदान की गई है जो स्वचालित रूप से स्मार्टफोन कैमरों द्वारा किये जाते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि दैनिक फोटो सुधारों को दंडित नहीं किया जाता है।

नियमों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा सृजित छवियों को 'स्पष्ट एवं प्रमुख रूप से' चिह्नित करना अनिवार्य होगा। प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि कोई सामग्री कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा सृजित है, तो उसके संबंध में उपयोगकर्त्ताओं से अनिवार्य रूप से प्रकटीकरण प्राप्त किया जाए।विशेष रूप से बिना सहमति के बनाए गए डीपफेक के मामलों में यदि कोई उपयोगकर्त्ता इस प्रकार का प्रकटीकरण करने में विफल रहता है, तो प्लेटफॉर्म पर यह दायित्व होगा कि वह या तो उक्त सामग्री को स्पष्ट रूप से चिह्नित करे अथवा उसे हटाए।इन नियमों का पालन न करने की स्थिति में मध्यस्थों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के अंतर्गत प्राप्त 'सेफ हार्बर' संरक्षण अर्थात तृतीय-पक्ष सामग्री के लिये विधिक दायित्व से प्रतिरक्षा के खोने का जोखिम रहेगा।जो मध्यस्थ उल्लंघनकारी सिंथेटिक सामग्री को जानबूझकर अनुमति देते हैं, उसका प्रचार-प्रसार करते हैं ।

अथवा उस पर कार्रवाई करने में विफल रहते हैं, उन्हें 'समुचित सावधानी' का पालन न करने वाला माना जाएगा।राज्य सरकारें सामग्री हटाने के आदेश जारी करने हेतु एक से अधिक अधिकृत अधिकारियों को नामित कर सकेंगी।इन संशोधित नियमों से डिजिटल प्लेटफॉर्म की जवाबदेही स्पष्ट रूप से बढ़ेगी और उपयोगकर्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा को प्राथमिकता मिलेगी। विशेष रूप से डीपफेक और एआई–जनित सामग्री के संदर्भ में यह कदम समाज में भ्रम, मानहानि और दुष्प्रचार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यह संशोधन केवल कानूनी सख्ती नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता की ओर एक मजबूत संकेत है।

इससे प्लेटफॉर्म को अधिक पारदर्शी प्रक्रियाएँ अपनानी होंगी और उपयोगकर्ताओं को भी जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक होना पड़ेगा।अंततः, सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन नियम, 2026 भारत को एक सुरक्षित, विश्वसनीय और उत्तरदायी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र की ओर अग्रसर करने वाला ऐतिहासिक कदम सिद्ध हो सकता है। यदि सरकार,

प्लेटफॉर्म और नागरिक तीनों अपनी–अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, तो यह नियम डिजिटल युग में विश्वास, सुरक्षा और नवाचार के संतुलन को स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा।

श्रोत- द हिन्दू

शिव बारात पर जगह-जगह हुई फूलों की बारिश, खेरेश्वर मंदिर में लगा श्रद्धालुओं का तांता

महाशिवरात्रि: भोले बाबा चले ब्याह रचाने, बाराती झूम कर नाचे

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। महाशिवरात्रि पर्व पर रविवार को ओंकारेश्वर सेवा समिति की अगुआई में कस्बे में विशाल शिवबारात धूमधाम से निकाली गई। सुबह से ही शनि धाम मंदिर के पास श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था। हर शिवभक्त के माथे पर चंदन का लेप लगाया गया और करीब 11 बजे गाजे-बाजे के साथ शिवबारात रवाना हुई।उत्तरीपूरा, ककवन व आसपास गांवों से आए श्रद्धालु बाराती बने।

देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। बारात जब जीटी रोड से कस्बे में पहुंची तो जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। बिजलीघर, बिल्हौर रेलवे स्टेशन, धर्मशाला, पालिका चौराहा, ककवन रोड और कोतवाली के पास भव्य स्वागत हुआ। दर्जनों स्थानों पर भंडारे के स्टॉल लगाए गए।शिवभक्ति गीतों और डीजे की धुन पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। इस दौरान विधायक राहुल बच्चा सोनकर समर्थकों संग शामिल हुए, वहीं पूर्व विधायक प्रत्याशी सपा नेत्री रचना सिंह गौतम ने भी समर्थकों के साथ बारात में सहभागिता की। प्रशासन की ओर से एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित, एसीपी मंजय सिंह, कोतवाल सुधीर कुमार समेत भारी पुलिस बल मुस्तैद रहा।

पालिका गेट पर बांटी मिठाई

शिव बारात जब पालिका चौराहे के पास पहुंची तो बारातियों का भव्य स्वागत किया गया। नगर पालिका के अधिवक्ता राजकुमार सिंह भदौरिया, पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष अजीत सिंह रजावत और पूर्व सभासद रामनारायण गुप्ता ने बारातियों को माला पहनाकर अभिनंदन किया तथा मिठाइयां वितरित कीं।इस दौरान सांसद प्रतिनिधि रवि बाजपेई, पूर्व उपाध्यक्ष जेपी कटियार, कौशल किशोर अवस्थी, शशांक मिश्रा, अश्वनी कटियार, अवधेश कुमार आदि मौजूद रहे।

एक्सपायरी कोल्डड्रिंक बांटने पर हड़कंप

शिवबारात के दौरान एक भंडारे में एक्सपायरी डेट की फूटी कोल्डड्रिंक बांटे जाने का मामला सामने आया। एक शिवभक्त की नजर बोतल की तारीख पर पड़ी तो मामला खुला। बताया गया कि बोतलों से कोल्डड्रिंक निकालकर बड़े भगोने में डाली जा रही थी। शिकायत मिलते ही वितरण कर रहे लोग मौके से चले गए। एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित ने तत्काल संज्ञान लेते हुए वीडियोग्राफी कराई और वितरण रुकवाया। प्रशासन ने नमूने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

खेरेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों का सैलाब

बिल्हौर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शिवराजपुर स्थित प्राचीन खेरेश्वर महादेव मंदिर में रविवार भोर पहर से ही भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, भांग, धतूरा और पुष्प अर्पित कर भगवान शंकर का जल व दूध से अभिषेक किया और सुख-समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही खेरेश्वर गंगा तट पर आस्था की डुबकी लगाकर दान-पुण्य भी किया। सुबह तहसीलदार बिल्हौर अनुभव चंद्रा व एसीपी मंजय सिंह प्रशासनिक अमले के साथ मंदिर पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं डीसीपी कासिम आबिदी ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। दोपहर में जितेन प्रताप सिंह भी मंदिर पहुंचे। उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया, निगरानी व्यवस्था पर संतोष जताया और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा में किसी भी प्रकार की चूक न हो। चिकित्सा सहायता, पेयजल और साफ-सफाई की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।दिनभर सुबह से लेकर देर शाम तक मंदिर में भक्तों की भीड़ लगातार उमड़ती रही। श्रद्धालुओं के चेहरे पर भक्ति, आस्था और उल्लास साफ झलकता रहा। महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर खेरेश्वर धाम एक बार फिर शिवभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

वरिष्ठ शिक्षक नेता ओंकार सिंह यादव का निधन, क्षेत्र में शोक

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। शांति नगर निवासी शिक्षक नेता ओंकार सिंह यादव (74) का हृदय गति रुकने से निधन हो गया।उन्हें कानपुर के हृदय रोग अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। रविवार को नानामऊ गंगा तट पर अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षक साथियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

ट्रैक्टर-ट्राली पर आलू लादते वक्त हुई घटना, गांव में पसरा मातम

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए छात्र की मौत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र के बरंडा गांव में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत में काम कर रहे 18 वर्षीय युवक की हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

बरंडा निवासी सूरज गौतम (18) पढ़ाई के साथ मजदूरी भी करता था। वह अरौल कस्बे के नेहरू इंटर कॉलेज में कक्षा 12 का छात्र था। रविवार को वह गांव के एक किसान के खेत में ट्रैक्टर-ट्राली पर आलू के पैकेट लादने का काम कर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सूरज ट्राली के ऊपर खड़ा होकर बोरे जमा रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर आगे बढ़ा और ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के बेहद करीब पहुंच गया। बताया जाता है कि पैकेट उठाने के प्रयास में उसका शरीर

सूरज (मृतक की फाइल फोटो)

बिजली की लाइन से छू गया। करंट लगते ही वह ट्राली से नीचे गिर पड़ा। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। साथी मजदूर उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्हौर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

प्रशासनिक अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों के कारण हमेशा खतरा बना रहता है। उन्होंने बिजली विभाग से ऐसी लाइनों की ऊंचाई और सुरक्षा व्यवस्था की जांच कराने की मांग की है।

विराट हिंदू सम्मेलन में कट्टरवाद पर किया प्रहार

सनातन धर्म की जड़ खोदने वाले षड्यंत्र को तोड़ने का आह्वान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फर्रुखाबाद। विराट हिंदू सम्मेलन में हिंदुओं के एकजुट होकर सनातन धर्म को मजबूत करने का आवाहन किया गया। मुख्य वक्ता सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय ने देश की अखंडता की जड़ें खोदने वालों की आलोचना करते हुए कहा कि पॉलिटिकल हिंदू, नकली हिंदू एवं परिवर्तित हिंदू ऐसा कार्य नहीं करेगा। असली हिंदुओं को संविधान को समझ ने की जरूरत है द्य उन्होंने कहा कि जहां-जहां मदरसे हैं वहां अशांति फैल रही है। उन्होंने गुरुकुल की शिक्षा की वकालत करते हुए कि गुरुकुल में पढ़ने वाले बच्चों ने कभी बम नहीं फोड़ा, पहचान छिपकर लव जिहाद नहीं किया, किसी के साथ धोखा नहीं किया है।

गुरुकुल की वैदिक शिक्षा को लागू करने और वंशवाद खत्म होना चाहिए तभी भारत के विश्व गुरु बने का सपना साकार हो सकेगा ।

दुर्वासा ऋषि आश्रम के महंत ईश्वर दास महाराज ने भारत माता की जय व जय श्री राम का नारा लगाकर संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सनातन धर्म पर चारों तरफ से संकट है। शहीद भगत सिंह चंद्रशेखर आजाद व रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान की सराहना करते हुए कहा कि हम लोग उनकी बदौलत सांस ले रहे हैं। हिंदू काटा मारा जा रहा है और पूरे विश्व में आतंकवाद पनप रहा है गांव-गांव मदरसे खुल गए हैं, जबकि गुरुकुल शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। महंत ने राजनेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें एसी का त्याग कर सड़कों पर निकलना पड़ेगा और हर हालत में गुरुकुल की शिक्षा खड़ी करनी पड़ेगी। विराट हिंदू सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलित एवं कर गणेश वंदना से हुआ। कार्यक्रम का समापन भारत मां की आरती एवं सामूहिक संकल्प के साथ हुआ ।मंच पर डॉक्टर सुबोध वर्मा एवं प्रधानाचार्य दीपिका राजपूत मौजूद रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता हर्षवर्धन कटियार एवं संचालन धनंजय कुमार ने किया। अनिल भदौरिया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में नीरज वर्मा, ब्रह्म प्रकाश तिवारी, रामकुमार वर्मा, नवीन कटियार, वीरेंद्र सिंह राठौर एवं रामानंद बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य रीता दुबे का विशेष सहयोग रहा।

डंपिंग ग्राउंड निर्माण को लेकर गाजियाबाद में

किसानों की पुलिस से झड़प

» कूड़ाघर बनाने के विरोध में जुटी भीड़ और पुलिस आमने-सामने

» पथराव के बाद लाठीचार्ज, कई लोगों के घायल होने की सूचना

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

गाजियाबाद। डंपिंग ग्राउंड (कूड़ाघर) के प्रस्तावित निर्माण को लेकर किसानों और ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव बना हुआ है और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।जानकारी के अनुसार, प्रस्तावित डंपिंग ग्राउंड स्थल के पास बड़ी संख्या में किसान और स्थानीय ग्रामीण एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और निर्माण कार्य रोकने की मांग की। इसी दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते झड़प में बदल गई।

पुलिस का आरोप है कि भीड़ ने पहले बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की और सुरक्षाबलों पर पथराव शुरू कर दिया, जिससे कई पुलिसकर्मी चोटिल हुए। इसके बाद स्थिति पर काबू पाने के लिए हल्का बल प्रयोग और लाठीचार्ज किया गया।वहीं प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पुलिस ने शांतिपूर्ण विरोध को बलपूर्वक दबाने की कोशिश की। उनका दावा है कि लाठीचार्ज में कई किसानों और ग्रामीणों को गंभीर चोटें आई हैं। कुछ घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए भेजा गया है। ग्रामीणों की मुख्य आपत्ति यह है कि डंपिंग ग्राउंड रिहायशी इलाके के नजदीक बनाया जा रहा है, जिससे गंदगी, दुर्गंध और बीमारियों का खतरा बढ़ेगा। उन्होंने मांग की है कि उक्त जमीन पर स्कूल, अस्पताल या अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का निर्माण कराया जाए। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा है कि मामले में संवाद के जरिए समाधान निकालने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

जीवित मतदाताओं को मृत दिखाकर वोट काटने का आरोप, सपा ने दी आंदोलन की चेतावनी

फर्रुखाबाद में मतदाता सूची से नाम काटने के कथित फर्जीवाड़े को लेकर समाजवादी पार्टी ने कड़ा विरोध जताया है। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि जीवित मतदाताओं को मृतक दर्शाकर उनके वोट काटने के लिए फर्जी फॉर्म जमा कराए गए हैं। कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है।जिला महासचिव इलियास मंसूरी के मुताबिक 194 विधानसभा सदर क्षेत्र के नवाब दिलावरजंग बूथ संख्या 276 पर 66, बूथ 277 पर 130 और बजरिया बड़ा खेल बूथ संख्या 278 पर 14 फॉर्म नंबर-7 संदिग्ध तरीके से भरे गए। सूचना मिलते ही जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव को अवगत कराया गया, जिसके बाद उनके नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी मौके पर पहुंचे।क्षेत्रीय मतदाताओं ने बताया कि नाम काटने के लिए फर्जी फॉर्म नंबर-7 में वैभव सक्सेना, रंजीत कश्यप और उमेश कश्यप को आवेदनकर्ता दिखाया गया। आरोप है कि सुपरवाइजर संजीव दुबे (लेखपाल) ने ये फॉर्म बीएलओ को दिए। कई वैध और जीवित मतदाताओं के नाम बिना सूचना हटाने का प्रयास बताया गया है।जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। कहा कि तथ्यों सहित शिकायत उच्चाधिकारियों और निर्वाचन आयोग को भेजी जा रही है। जिला प्रवक्ता सचिव राधेश्याम सविता ने इसे लोकतंत्र विरोधी कृत्य बताते हुए कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सपा आंदोलन करेगी। मौके पर ब्लॉक बढ़पुर अध्यक्ष मुख्तार आलम, बीएलए और बड़ी संख्या में मतदाता मौजूद रहे।

जब नबीपुर बना मिनी काशी उमड़ा आस्था का ज्वार

नबीपुर के झाड़ी बाबा धाम में श्रद्धालुओं ने किए भोलेनाथ के दर्शन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नबीपुर (नागिन जसी) स्थित झाड़ी बाबा मंदिर में आस्था का अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। तड़के भोर से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं और देखते ही देखते पूरा क्षेत्र शिवमय हो उठा।मंदिर परिसर में हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे। महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और युवा–सभी भक्त तन, मन और श्रद्धा के साथ भोलेनाथ के दरबार में नतमस्तक दिखाई दिए भीड़ इतनी अधिक रही कि कई स्थानों पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची, फिर भी भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी।

स्वयंभू शिवलिंग बना आस्था का केंद्र

मंदिर के महंत श्री श्री 1008 रामदास त्यागी ने बताया कि यहां स्थापित शिवलिंग स्वयंभू है, जो वर्षों पूर्व झाड़ियों में प्रकट हुआ था। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यह शिवलिंग निरंतर आकार में वृद्धि कर रहा है। इसी आस्था ने झाड़ी बाबा धाम को क्षेत्र का प्रमुख धार्मिक केंद्र बना दिया है।

नौ कुंडीय रुद्र यज्ञ और विशाल भंडारा

महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा एवं नौ कुंडीय रुद्र यज्ञ का आयोजन श्री श्री 1008 महंत कमलेशदास जी महाराज बिहार घाट गौरियापुर के द्वारा किया गया। हवन–पूजन के उपरांत पूज्य संतों को भोग अर्पित कर विशाल भंडारे की शुरुआत की गई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद लिया। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। चप्पे–चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा और मेले में आने–जाने वाले मार्गों पर सीसीटीवी से विशेष निगरानी रखी गई।

क्षेत्र की पहचान बना महा–मेला

लगातार 27 वर्षों से आयोजित हो रहा यह महाशिवरात्रि महा–मेला अब केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। स्थानीय ग्रामीणों और समिति के सदस्यों ने सुरक्षा, साफ–सफाई और व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महाशिवरात्रि पर झाड़ी बाबा धाम में उमड़ी भीड़ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि आस्था की जड़ें आज भी समाज में गहराई तक जुड़ी हैं

बम-बम भोले के जयघोष से गूंज उठे शिवालय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद कानपुर देहात। भगवान शिव और मां पार्वती के विवाहोत्सव के रूप में मनाए जाने वाले महाशिवरात्रि पर रविवार को धर्मगढ़ बाबा शिव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। देर शाम तक बाबा के दर्शनों का सिलसिला और हर–हर बम बम भोले के जयकारे लगते रहे।

सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए। जिससे श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शनों में कोई परेशानी नहीं हुई। धर्मगढ़ बाबा सत्संग मंडल की ओर से इस मौके पर फलाहार की खीर,नमकीन,भुने हुए आलू की प्रसादी का वितरण भी अनवरत चलता रहा। हजारों पुरुष महिलाओं ने बाबा का गंगाजल से जलाभिषेक किया। कई भक्तों ने बेल पत्र,गन्ना, बेर, भांग, सिंघाड़ पाग आदि नैवेद्य का भोग लगाकर उनका दर्शन पूजन कर मन्नत मानी। इस पावन पर्व पर गांव–गांव स्थित क्षेत्र के शिव मंदिरों जमथर खेड़ा स्थित यमदग्नि आश्रम, असालतगंज स्थित द्रोणेश्वर शिव मंदिर,खेड़ा कुर्सी स्थित कपिलेश्वर शिव मंदिर ,कृष्ण दत निवादा स्थित संगमेश्वर शिव मंदिर,भीखदेव कहिंजरी स्थित महाकालेश्वर शिव मंदिर, नारदाश्रम स्थित मनकामेश्वर शिव मंदिर, सुभाष नगर स्थित महादेवन शिव मंदिर पर भक्तों का सुबह से ही आवागमन एवं पूजन अर्चन चलता रहा।

कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बने सुनील पांडेय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग के शीर्ष नेतृत्व की संस्तुति पर एडवोकेट सुनील कुमार पांडेय को जनपद का जिलाध्यक्ष विधि विभाग नियुक्त किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी लखनऊ के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की संस्तुति पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग के अध्यक्ष अली आसिफ जमा रिजवी द्वारा सुनील पांडेय एडवोकेट को जनपद कानपुर देहात का जिला अध्यक्ष विधि विभाग नियुक्त करते हुए विधि के क्षेत्र में कांग्रेस की जिम्मेदारी सौंपी है। इस मौके पर राकेश बाजपेई, समीर अहमद, शमीम कुरैशी, आनंद कुमार द्विवेदी, सलोने पाठक, पातीराम दिवाकर, मनोज वर्मा, महावीर यादव , पीसीसी अध्यक्ष शालिनी अवस्थी ,जिलाध्यक्ष अमरेश सिंह गौर व पूर्व जिला अध्यक्ष नरेश चंद्र कटियार सहित तमाम कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

सामूहिक विवाह में 61 जोड़ों ने थामा एक दूजे का हाथ

मातृशक्ति समाज सेवा समिति के तत्वाधान में हुआ सर्वजातीय सामूहिक विवाह

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। शिवली में बाघपुर के मेला मैदान में मातृशक्ति समाज सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह में क्षेत्र के 61 जोड़ों ने एक दूजे का हाथ थाम दांपत्य सूत्र बंधन में बंधे। जिन्हें पूर्व विधायक डॉ. राम प्रकाश कुशवाहा ने पहुंच आशीर्वाद दिया। सामूहिक विवाह समारोह के साक्षी हजारों लोग बने।

मातृशक्ति समाज सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू सिंह, उपाध्यक्ष अवधेश कुमार, सचिव सुनील दिवाकर की देखरेख में बाघपुर गांव में स्थित मेला मैदान पर रविवार को सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र के पंकज ने सरिता, शिवराज ने शिवानी, शैलेंद्र ने तनु, बृजलाल ने दीक्षा, दिलीप ने मोना, मनीष ने उपासना तथा राहुल ने पारुल

सहित क्षेत्र के 61 जोड़ों ने एक दूजे का हाथ थाम मंत्रोंच्चारण के साथ एक दूसरे को जयमाला पहनाकर व भांवरें डालकर जीवन भर साथ निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व विधायक डॉ. राम प्रकाश कुशवाहा ने वर वधू को आशीर्वाद दिया ।

जलीय जीव

विश्व हिप्पो दिवस पर दिया

वन्यजीवों के संरक्षण का संदेश

» पर्यावरण प्रेमियों ने लोगों से वन्यजीव संरक्षण के लिए आगे आने की अपील

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। 15 फरवरी को विश्व हिप्पो दिवस मनाया गया। यह दिवस दरियाई घोड़े (हिप्पोपोटेमस) के संरक्षण, उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने लोगों से वन्यजीव संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की।

विशेषज्ञों के अनुसार हिप्पो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्थलीय स्तनधारी है।

यह अर्ध-जलीय जीव दिन का अधिकांश समय नदियों, झीलों और दलदली क्षेत्रों में बिताता है और रात में भोजन के लिए बाहर निकलता है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती

है।वन्यजीव जानकारों का कहना है कि अवैध शिकार, जल स्रोतों के प्रदूषण और प्राकृतिक आवास के लगातार घटने से हिप्पो की संख्या प्रभावित हो रही है। दांत और मांस की अवैध तस्करी भी इसके लिए खतरा बनी हुई है। ऐसे में संरक्षण के ठोस उपाय और जनभागीदारी जरूरी है। रूरा क्षेत्र के समाजसेवी नवीन कुमार दीक्षित ने कहा कि वन्यजीवों और उनके आवासों की रक्षा करना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए हर प्रजाति का सुरक्षित रहना आवश्यक है।

हिप्पो (दरियाई घोड़ा) क्या आप जानते हैं ?

- विश्व हिप्पो दिवस हर साल 15 फरवरी को मनाया जाता है
- हिप्पो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्थलीय स्तनधारी है
- एक वयस्क हिप्पो का वजन 1.5-3 टन तक हो सकता है
- यह अर्ध-जलीय जीव है — दिन में पानी, रात में जमीन पर रहता है
- हिप्पो 5 मिनट तक पानी के अंदर सांस रोक सकता है
- इसकी त्वचा से लालिमा लिए द्रव निकलता है, जो धूप से बचाव में मदद करता है
- एक हिप्पो रात में 30-40 किलो तक घास खा जाता है
- देखने में शांत लेकिन क्षेत्रीय होने पर बेहद आक्रामक हो सकता है
- अवैध शिकार और जल स्रोतों के घटने से इसकी संख्या प्रभावित हो रही
- नदी-झील के पारितंत्र के पोषण चक्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है

हमीरपुर हाईवे पर बस-ट्रक में भीषण टक्कर, 10 घायल

» आमने-सामने की टक्कर में दोनों वाहनों के केबिन चकनाचूर, फायर टीम ने काटकर निकाला

» तिलक समारोह से लौट रहा था परिवार, दो चालकों की हालत गंभीर, कानपुर किया गया रेफर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर। हमीरपुर में रविवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। मौदहा कोतवाली क्षेत्र के मकराओं गांव के पास बस और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के आगे के हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में बस और ट्रक चालक स्टेयरिंग में बुरी तरह फंस गए, जबकि बस में सवार एक ही परिवार के 10 यात्री घायल हो गए।

राहगीरों की सूचना पर यूपी-112 पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद दोनों चालकों को केबिन काटकर बाहर निकाला। सभी घायलों को तुरंत मौदहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दोनों चालकों को रेफर कर दिया गया।

घायलों में बस चालक सूरज (35) निवासी कुलौली मझावन और ट्रक चालक अंकुर (24) निवासी डेरापुर, कानपुर देहात शामिल हैं। इनके अलावा बस में सवार उपेंद्र, चित्रांशु, अनुराग, युवराज, शिव प्रकाश, राजाराम, दिनेश, सत्यम, विनीता और गायत्री का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। बताया गया है कि सभी यात्री एक ही परिवार के सदस्य हैं और शुक्लागंज से मौदहा क्षेत्र के सिजवाही गांव में तिलक समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बिना नागरिकता रह रहीं मां-बेटी पर केस दर्ज

» 33 साल से भारत में रह रहीं, पाक पासपोर्ट पर एंट्री, नागरिकता फाइल लंबित

» आईएसआई कनेक्शन का भी आरोप, पुलिस-इंटेलिजेंस जांच में जुटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मेरठ। मेरठ से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पाकिस्तानी मूल की एक महिला और उसकी बेटी के खिलाफ बिना भारतीय नागरिकता के रहने, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाने और मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई स्थानीय महिला की शिकायत और उच्चस्तरीय जांच के बाद की गई है।

शिकायतकर्ता रुकसाना खान ने आरोप लगाया कि नादिर अली बिल्डिंग क्षेत्र में रहने वाली महिला करीब 33 वर्षों से भारत में रह रही है, लेकिन उसने भारतीय नागरिकता प्राप्त नहीं की। आरोप है कि वह वर्ष 1993 में पाकिस्तानी पासपोर्ट पर अपनी बेटी के साथ भारत आई थी। बाद में मां-बेटी ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के जरिये पहचान पत्र और अन्य कागजात तैयार कराए और वोटर लिस्ट में नाम भी दर्ज करा लिया।मामले की जांच रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपी गई थी। इसके बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस के अनुसार मां-बेटी पर धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जी दस्तावेज तैयार कराने जैसी धाराएं लगाई गई हैं। स्थानीय खुफिया इकाई, अन्य इंटेलिजेंस एजेंसियां और सुरक्षा विभाग भी दस्तावेज, पासपोर्ट और कॉल डिटेल की जांच में जुटे हैं। शिकायत में महिला के पिता के आईएसआई से जुड़े होने का भी आरोप लगाया गया है, जिसकी स्वतंत्र जांच की जा रही है।दूसरी ओर, आरोपी महिला के पति ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि परिवार का वक्फ संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है और उसी के चलते झूठी शिकायत कराई गई है। उन्होंने कहा कि नागरिकता के लिए आवेदन पहले भी किया गया था, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर फाइल लंबित रही। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में तथ्यों की पुष्टि के आधार पर केस दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

महाशिवरात्रि पर इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी का सेवा आयोजन

सुबह से रात तक चला भोजन वितरण, स्वच्छता और अनुशासन की मिसाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी द्वारा संचालित सेवा प्रकल्प बृज की रसोई के तत्वावधान में आशियाना क्षेत्र में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। बाबा नीम करौली की प्रेरणा से आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में अनुमानत: 8 से 10 हजार श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया।यह आयोजन श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर, गुलमोहर पार्क सेक्टर-एच में संपन्न हुआ, जहां प्रात:काल से ही भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। दोपहर 12 बजे से रात्रि 9 बजे तक निरंतर भोजन वितरण चलता रहा। श्रद्धालुओं को शुद्ध एवं पौष्टिक प्रसाद के रूप में छोला-चावल और बूंदी वितरित की गई।आयोजन स्थल पर अनुशासन, स्वच्छता और सुव्यवस्थित व्यवस्था विशेष आकर्षण रही। स्वयंसेवकों की सशक्त टीम ने भोजन वितरण, कतार व्यवस्था और सफाई व्यवस्था को संभालते हुए सेवा कार्य को सुचारु रूप से संचालित किया। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए अलग सहायता पंक्तियां बनाकर आयोजन को अधिक संवेदनशील और समावेशी बनाया गया।संस्था पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा, समानता और सामाजिक न्याय जैसे संवैधानिक मूल्यों को सशक्त करने का प्रयास है। महाशिवरात्रि जैसे आध्यात्मिक पर्व पर सेवा को ही सच्ची भक्ति मानते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग तक सहयोग और करुणा पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता और सद्भाव का जीवंत उदाहरण बताया। आयोजन की सफलता में सहयोगी दानदाताओं, रसोई टीम, सफाईकर्मियों तथा प्रशासनिक सहयोग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने कहा कि सेवा ही सच्ची शिव-भक्ति है और भविष्य में भी नि:शुल्क भोजन सेवा, मानवीय सहायता और सामाजिक उत्थान के कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

कार्यक्रम में अनिल शुक्ला, एडवोकेट संतोष त्रिपाठी, डॉ. अनिल सिंह, राजीव पाण्डेय, नीरज शर्मा, दयाशंकर, जालिम सिंह, पार्षद कौशलेन्द्र द्विवेदी, पार्षद मोनू सिंह, अरविन्द चौबे, पार्षद कमलेश सिंह, सतनाम सिंह, धनंजय सिंह, संजय श्रीवास्तव, इंद्रमीत सिंह, योगेंद्र सिंह, बलवंत सिंह, शुभम तिवारी, सुरेश बाजपेई, आशीष श्रीवास्तव, अनुराग दुबे, विकास पाण्डेय, मोनू कनौजिया, दिनेश पाण्डेय, नवलेश सिंह, मुकेश कनौजिया, अखिलेश सिंह, गोविन्द सिंह ठाकुर सहित अनेक समाजसेवियों की सक्रिय सहभागिता रही।

अयोध्या में सरेआम प्रतिबंधित मांझे से कट रही जिंदगियां, सो रहा प्रशासन

खूनी मांझा, बहरी व्यवस्था

» मांझे की डोर से कटी युवक की नाक,लगे 11 टांके

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रविवार की शाम वज़ीरगंज-लालबाग ओवरब्रिज पर जो हुआ, वह कोई साधारण हादसा नहीं था। यह एक चेतावनी थी कि अयोध्या में अब सड़कें नहीं, बल्कि मौत की डोरें चल रही हैं। प्रतिबंधित पतंग के मांझे ने दर्शन नगर सरेठी ग्रामसभा निवासी विपिन पाण्डेय की नाक काट दी। खून से लथपथ चेहरा, दर्द से कराहता युवक और अस्पताल में लगे 11 टांके यह दृश्य प्रशासन की नाकामी की जीती-जागती तस्वीर है।

सरकार वर्षों से नायलॉन और चाइनीज मांझे पर सख्ती के दावे करती आ रही है। आदेश जारी होते हैं, बैठकें होती हैं, प्रेस नोट निकलते हैं। लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि शहर में आज भी मौत बिक रही है– खुलेआम, बेखौफ और बिना रोक-टोक। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ओवरब्रिज पर लंबे समय से खतरनाक मांझे से पतंग उड़ाई जा रही थी। बच्चों से लेकर युवाओं तक, सभी इस जानलेवा खेल में लगे थे। न पुलिस दिखी, न प्रशासन, न कोई चेतावनी। जब तक विपिन की नाक कटकर सड़क पर खून नहीं बहा, तब तक सिस्टम गहरी नींद में सोता रहा।हादसे के बाद सक्रिय हुई अयोध्या पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन बड़ा सवाल यह है क्या पुलिस की जिम्मेदारी सिर्फ एंबुलेंस बुलाने तक सीमित है? अवैध मांझे की बिक्री पर छापे क्यों नहीं पड़े? दुकानों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? गश्त क्यों नहीं बढ़ाई गई? पीड़ित परिवार का आरोप है कि उनका बेटा आज जीवन भर इस जख्म का दर्द झेलेगा, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी शायद कुछ दिनों में यह मामला भूल जाएंगे। न मुआवजा, न ठोस कार्रवाई, न दोषियों पर शिकंजा, बस औपचारिक खानापूर्ति।

स्थानीय लोग कहते हैं कि हर साल त्योहारों और छुट्टियों में मांझे का धंधा चरम पर होता है। प्रशासन सब जानता है, फिर भी आंखें मूंद लेता है। नगर निगम, पुलिस और जिला प्रशासन की आपसी लापरवाही ने इस शहर को खुले मौतखाने में बदल दिया है। यह हादसा नहीं, सिस्टम द्वारा रची गई त्रासदी है। जब कानून सिर्फ कागजों में जिंदा हो और सड़क पर मर जाए, तो विपिन जैसे लोग ही उसका शिकार बनते हैं। अब सवाल यह नहीं कि हादसा क्यों हुआ। सवाल यह है कब तक अयोध्या में लोग मांझे से कटते रहेंगे और प्रशासन बयानबाजी करता रहेगा।

फेयरवेल पार्टी के बाद लापता हुआ छात्र दिल्ली में मिला

अयोध्या पुलिस ने लापता छात्र को सकुशल परिजनों तक पहुंचाया

फेयरवेल पार्टी के बाद 17 वर्षीय छात्र रहस्यमय ढंग से लापता

दोपहर तीन बजे के बाद से उसका मोबाइल फोन बंद आ रहा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। फेयरवेल पार्टी के बाद लापता हुए छात्र को दिल्ली से सकुशल बरामद कर लिया गया। छात्र को ढूढ़ने में रिकाबगंज चौकी पुलिस की तत्परता और तकनीकी दक्षता काबिल-ए-तारीफ रही। सर्विलांस के माध्यम से छात्र की लोकेशन ट्रेस की और उसे बरामद कर परिजनों के सिपुर्द कर दिया। चौकी प्रभारी रघुवीर सिंह के नेतृत्व में टीम ने छात्र की बरामदगी के बाद मेडिकल परीक्षण कराकर और बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया। स्वराज इंडिया द्वारा खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने से प्रशासनिक स्तर पर भी तेजी आई। पुलिस की यह कार्रवाई केवल एक गुमशुदगी का समाधान नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी और मानवीय दृष्टिकोण की मिसाल है। स्थानीय लोगों और परिजनों ने पुलिस टीम का आभार जताया है।

राम की पैड़ी से उजड़ा बिजली विभाग का अफसरशाही ठिकाना

12 किलोमीटर दूर जाने की सजा भुगत रही पब्लिक, प्रशासन पर जताया गुस्सा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में प्रशासनिक फैसलों की मार अब सीधे आम जनता पर पड़ने लगी है। राम की पैड़ी स्थित उपखंड अधिकारी कार्यालय को हटाकर करीब 12 किलोमीटर दूर फैजाबाद डिवीजन में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस फैसले ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं और प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाजपा नेता और पूर्व पार्षद आलोक कुमार सिंह ने इस निर्णय को जनविरोधी बताते हुए कहा कि पहले लोग राम की पैड़ी स्थित कार्यालय से आसानी से बिजली बिल, कनेक्शन और शिकायतों का समाधान करा लेते थे। अब उन्हें छोटे से काम के लिए भी 12 किलोमीटर दौड़ लगानी पड़ रही है।स्थानीय व्यापारी सुनील तिवारी का कहना है कि बुजुर्गों और मजदूरों के लिए यह दूरी किसी सजा से कम नहीं है। एक आवेदन के लिए पूरा दिन बर्बाद हो जाता है, रोज़ी-रोटी पर सीधा असर पड़ रहा है। सरयू सेवा समिति के अध्यक्ष अवधेश सिंह ने बताया कि पहले कार्यालय तक पहुँचना आसान था, अब लोगों को भीड़ और अव्यवस्था के बीच भटकना पड़ रहा है। उनकी संस्था सरयू सेवा समिति ने प्रशासन से तत्काल निर्णय वापस लेने की मांग की है। नागरिकों का साफ कहना है कि विकास के नाम पर सुविधाएँ छीनी जा रही हैं। अगर जल्द ही कार्यालय को वापस राम की पैड़ी क्षेत्र में नहीं लाया गया, तो जनता सड़कों पर उतरने को मजबूर होगी।

हाईवे पर अपहरण और लूट करने वाले गैंग का खुलासा, दो गिरफ्तार

» फर्जी एसओजी, एसटीएफ बनकर यात्रियों को बनाते थे निशाना

» एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने कहा गैंग के अन्य सदस्यों की हो रही तलाश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जनपद अयोध्या में सक्रिय हाईवे लूट गैंग का कैंट पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने मीडिया को बताया कि इस गिरोह के 7 सदस्यों में से 2 को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि 5 आरोपी अभी फरार हैं। एक आरोपी पहले से ही बस्ती जेल में बंद है।एसएसपी के अनुसार, 27 जनवरी को थाना कैंट क्षेत्र में एक युवक को बदमाशों ने जबरन बंधक बनाकर कार में बैठाया और हाईवे पर ले जाकर उससे नगदी व आभूषण लूट लिए थे। वारदात के बाद पीड़ित ने थाना कैंट में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई, जिसने हाईवे पर सक्रिय लुटेरों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार आरोपियों में सौरभ पांडेय बस्ती और दूसरा महेश सिंह अमेठी जनपद का निवासी बताया गया है। इनके कब्जे से 50 हजार रुपए नकद, लूटे गए आभूषण, एक अवैध तमंचा तथा वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की गई है।एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि फरार पांचो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें भी पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाईवे पर अपराध करने वाले गिरोहों के खिलाफ सख्त अभियान जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।इस अवसर पर एसपी सिटी चक्रपाणी त्रिपाठी,सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी सहित एसओजी और कैंट थाने की पूरी टीम मौजूद रही।

यूपी की कचहरियों को बम की धमकी से हड़कंप, 18 जिलों में अलर्ट

लखनऊ-अयोध्या समेत कई जिलों की अदालतों को धमकी भरे ईमेल, कार्यवाही रोकी गई

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सोमवार को एक साथ कई कचहरियों को ईमेल के जरिए बम विस्फोट की धमकी मिलने से न्यायिक और प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मच गया। लखनऊ और अयोध्या समेत कुल 18 जिलों की अदालतों को अज्ञात व्यक्ति द्वारा सुबह करीब 11:15 बजे और फिर 12:15 बजे धमकी भरे ईमेल भेजे गए। ईमेल में कोर्ट परिसरों में बम लगाए जाने और विस्फोट की चेतावनी दी गई, जिसके बाद जज, वकील, कर्मचारी और वादकारियों में डर का माहौल बन गया।

आजमगढ़ जिला एवं सत्र न्यायालय को

➪ **आजमगढ़ में कोर्ट खाली कराया गया, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की सघन जांच**

भी बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे कचहरी परिसर को तुरंत खाली कराया गया। जिला जज जयप्रकाश पांडे के आधिकारिक ईमेल पर सुबह करीब 10 बजे धमकी संदेश प्राप्त हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस को अवगत कराया गया और अधिवक्ताओं व कर्मचारियों को परिसर खाली करने के निर्देश दिए गए। एहतियातन अदालत की सभी कार्यवाही अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कचहरी परिसर की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड को बुलाकर हर हिस्से की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने वकीलों और कर्मचारियों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

सूत्रों के अनुसार वाराणसी में भी इसी तरह की धमकी के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। फिलहाल जांच एजेंसियां ईमेल भेजने वाले की पहचान और स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं। अभी तक किसी भी परिसर से संदिग्ध वस्तु बरामद होने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पूरे प्रदेश में न्यायालय परिसरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग केस में बड़ा ब्रेकथ्रू, शूटर समेत 4 और गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

मुंबई। रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित जुहू आवास के बाहर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। मुंबई पुलिस ने हरियाणा पुलिस एसटीएफ के साथ संयुक्त अभियान चलाकर शूटर समेत उसके तीन साथियों को हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई के बाद अब तक इस केस में कुल 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

संयुक्त ऑपरेशन के दौरान पकड़े गए आरोपियों की पहचान रितिक यादव (आगरा), दीपक (नोएडा), सनी और सोनू (दोनों आगरा) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक इनमें से एक मुख्य शूटर है, जबकि बाकी सहयोगी की भूमिका में थे। इससे पहले पांच अन्य आरोपियों को पुणे और आसपास के इलाकों से गिरफ्तार किया गया था, जिनमें हथियार सप्लायर भी शामिल है। इन आरोपियों पर संगठित अपराध से जुड़े प्रावधानों के तहत सख्त धाराएं लगाई गई हैं।

जांच में सामने आया है कि पूरी साजिश का मास्टरमाइंड शुभम लोणकर है, जो अभी फरार है। पुलिस सूत्रों के अनुसार उसके तार कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े होने की आशंका है, जिसकी गहन जांच की जा रही है।

➪ **हरियाणा एसटीएफ और मुंबई पुलिस का संयुक्त ऑपरेशन, अब तक 11 गिरफ्तार**

➪ **मास्टरमाइंड अब भी फरार, गैंगस्टर लिंक एंगल से जांच तेज**

घटना 1 फरवरी की तड़के हुई थी, जब शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग की गई और आरोपी मौके से फरार हो गया। बाद में विले पार्ले पश्चिम इलाके में एक होटल के पास से लावारिस स्कूटर बरामद हुआ, जिससे सबूत मिटाने की कोशिश के संकेत मिले। फॉरेंसिक टीम ने मौके से फिंगरप्रिंट और डीएनए समेत कई अहम साक्ष्य जुटाए। जांच में स्कूटर की खरीद, फंडिंग और साजिश की कड़ियों को जोड़ते हुए पुलिस अब फरार मास्टरमाइंड की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

किम परिवार में उत्तराधिकारी को लेकर टकराव, सत्ता के वारिस पर सस्पेंस

➪ **13 साल की बेटी को उत्तराधिकारी बनाने की चर्चा, बुआ की मजबूत पकड़ से बढ़ेगी चुनौती**

➪ **खुफिया रिपोर्ट के बाद अटकलें तेज, बड़े राजनीतिक आयोजन में हो सकता है संकेत**

स्वराज इंडिया न्यूज़ डेस्क

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बंद और सख्त शासन वाले देशों में गिने जाने वाले उत्तर कोरिया में सत्ता के उत्तराधिकार को लेकर नई अटकलें तेज हो गई हैं। देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन की बेटी को संभावित उत्तराधिकारी घोषित किए जाने की चर्चाओं के बीच परिवार के भीतर शक्ति संतुलन को लेकर संभावित खींचतान के संकेत मिल रहे हैं। दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस के हवाले से आई रिपोर्ट में कहा गया है कि किम जोंग उन की 13 वर्षीय बेटी किम जू ऐ को जल्द औपचारिक रूप से उत्तराधिकारी के तौर पर पेश किया जा सकता है। माना जा रहा है कि आगामी बड़े राजनीतिक आयोजन के दौरान इस संबंध में संकेत दिए जा सकते हैं। हाल के महीनों में किम जू ऐ कई सैन्य और रणनीतिक कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ सार्वजनिक रूप से नजर आई हैं, जिससे उनकी राजनीतिक भूमिका को लेकर अटकलें और मजबूत हुई हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर बेटी को उत्तराधिकारी बनाया जाता है तो सबसे बड़ी चुनौती परिवार के भीतर से ही मिल सकती है। किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग को सत्ता ढांचे में बेहद प्रभावशाली माना जाता है। पार्टी और सैन्य तंत्र में उनकी मजबूत पकड़ है और उन्हें देश की दूसरी सबसे ताकतवर शख्सियत माना जाता रहा है। ऐसे में भविष्य में सत्ता संतुलन को लेकर आंतरिक

संघर्ष की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा।

किम जू ऐ पहली बार नवंबर 2022 में एक लंबी दूरी की मिसाइल परीक्षण कार्यक्रम में सार्वजनिक रूप से दिखी थीं। इसके बाद से वह सैन्य परेड, हथियार फैक्ट्रियों के निरीक्षण और अंतरराष्ट्रीय दौरों में भी अपने पिता के साथ नजर आती रही हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यह क्रमबद्ध सार्वजनिक उपस्थिति उन्हें भविष्य के नेतृत्व चेहरे के रूप में स्थापित करने की रणनीति का हिस्सा हो सकती है।उत्तर कोरिया में सूचना और मीडिया पर कड़ी पाबंदियां हैं, इसलिए सत्ता से जुड़े फैसलों की आधिकारिक पुष्टि अक्सर देर से होती है। इसके बावजूद हालिया घटनाक्रम ने किम परिवार में संभावित उत्तराधिकार की बहस को तेज कर दिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com